E-7

No. EDN-H(Ele)(4)-10/2019-(Health)-
Directorate of Elementary Education
Himachal Pradesh.

Through e-Mail
Time Bound

Dated: Shimla-171001 the, Jan, 2020

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय (हि.प्र.)
04 FEB 2020
शिमला-1

To

All the Dy. Directors (EE),
Himachal Pradesh.

Subject:- Suo-Moto action on the news item published in Punjab Kesari Hindi Newspaper on dated 04-12-2019 titled - घर से स्कूल भेजे बच्चे जंगलों में कर रहे मटरगश्ती। मामला जिला शिमला का है।

Sir,

Please find enclosed herewith a photocopy of letter No. CPCR-A(4)-2/2018-40-42 dated 21-01-2020 on the subject cited above.

In this context, you are requested to take necessary action under intimation to this Directorate as well as to the quarter concerned accordingly.

Encls. As Above.

Jt. Director (School)
Directorate of Ele. Edu.
Himachal Pradesh, Shimla-1

Copy to:

The Director (WCD)-cum-Member Secretary, State Child Right Protection Commission, HP for information please.

Jt. Director (School)
Directorate of Ele. Edu.
Himachal Pradesh, Shimla-1

Endst. No. EDN-KGR-(E-7)-MISC/2018-19-10141 Dated: 13/02/20
copy forwarded to all the BEEOs with the directions to take necessary action in the matter under intimation to this office.

Dy. Director Ele. Edu.
Kangra at Dharamshala

28-1-20

Cur 35/71
30-1-20

सी.पी.सी.आर.–ए(4)–2 / 2018–40-42
राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग,
शर्मा भवन, बिलो बी.सी.एस., फेज–3, न्यू शिमला–9

सेवा में,

1. निदेशक,
उच्च शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश,
लालपानी, जिला शिमला – 171001
2. निदेशक,
प्राथमिक शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश,
लालपानी, जिला शिमला – 171001
3. पुलिस अधीक्षक, शिमला,
जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश–171001

दिनांकः शिमला–171009, 21 जनवरी, 2020

विषयः– Suo-Moto action on the news item published in Punjab Kesari Hindi Newspaper on dated 04.12.2019 titled – 'घर से स्कूल भेजे बच्चे जंगलों में कर रहे मटरगश्ती। मामला जिला शिमला का है।'

महोदय,

उपरोक्त विषय पर आपको हिन्दी समाचार–पत्र पंजाब केसरी में दिनांक 04.12.2019 को शीर्षक 'घर से स्कूल भेजे बच्चे जंगलों में कर रहें मटरगश्ती' के अंतर्गत प्रकाशित खबर की प्रति संलग्न की जा रही है।

उपरोक्त मामला आयोग की बैठक में दिनांक 12.12.2019 को रखा गया। खबर के आधार पर एक अत्यंत ध्यान देने योग्य मामला आयोग के समक्ष आया कि राजधानी शिमला में, माता–पिता द्वारा घर से स्कूल पढ़ने के लिए भेजे गए बच्चे, स्कूल में जाने के बजाय जंगलों में जाकर मटरगश्ती करते हैं। ये बच्चे ऐसी जगहों पर जाते हैं, जहां आमतौर पर लोगों का आना–जाना नहीं होता है तथा कई बच्चे तो जंगलों में जाकर नशे का सेवन भी करते हैं। शिमला पुलिस ने प्राप्त सूचना के आधार पर, इन स्थानों का औचक निरीक्षण करके 12 दिनों में इस प्रकार के लगभग 100 बच्चों को पकड़ा है और अभिभावकों को जागरूक किया है। पुलिस के इस प्रयास की, आयोग काफी सराहना करता है। इस संबंध में आयोग ने यह निर्णय लिया है कि भविष्य में भी यदि इस प्रकार की कोई सूचना मिलती है, तो **पुलिस विभाग** द्वारा तुरंत निरीक्षण / कार्यवाही की जाए ताकि कोई भी बच्चा अपराध अथवा नशे की ओर अग्रसर न हो। इसके अतिरिक्त आयोग **शिक्षा विभाग** से भी यह अपेक्षा करता है कि प्रदेश के सभी विद्यालयों में समय–समय पर इस हेतु जागरूकता अभियान चलाए जाएं जिसमें अभिभावकों को जागरूक किया जाए कि वे समय–समय पर विद्यालय से अपने बच्चे की पूरी जानकारी लेते रहें और इस बात का विशेष ध्यान रखें कि उनके बच्चे स्कूल के बजाय, कहीं और तो नहीं जा रहे हैं अथवा किसी गलत व्यवसाय में संलिप्त तो नहीं है। उन्हें अपने बच्चों को यह भी समझाना चाहिए कि वे केवल अपनी पढ़ाई की ओर ही ध्यान केंद्रित करें तथा नशे से दूर रहें क्योंकि इससे उनकी जिंदगी बर्बाद हो सकती है। साथ ही सभी विद्यालयों को यह निर्देश दिए जाएं कि स्कूल में होने वाली PTM (Parents Teachers Meeting) में अभिभावकों से उनके बच्चों की पूरी जानकारी प्राप्त करें, कक्षा में उनके बच्चे की दिनचर्या / गतिविधियों से अवगत कराएं और घर में भी बच्चों के बर्ताव व क्रियाकलापों के बारे में उनसे बातचीत करें।

अतः आपसे (शिक्षा विभाग से) अनुरोध है कि आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों को शीघ्र अमल में लाया जाए तथा की गई कार्यवाही से आयोग को एक सप्ताह के भीतर अवगत कराया जाए ताकि तदानुसार आगामी कार्यवाही की जा सके।

भवदीय,

निदेशक (डब्ल्यू.सी.डी.) एवं सदस्य सचिव,
राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग,
हिमाचल प्रदेश

Sh. R. Chauhan
29/1/2020

Punjab Kesari

4-12-2019,

घर से स्कूल भेजे बच्चे जंगलों में कर रहे मटरगश्ती

पुलिस ने 12 दिन में पकड़े 100 बच्चे, निजी के साथ-साथ सरकारी स्कूलों के छात्र भी मार रहे बंक

शिमला, 3 दिसम्बर (जस्टा): घर से स्कूल भेजे बच्चे अब जंगलों में मटरगश्ती कर रहे हैं। मां व बाप कड़ी मेहनत कर अपने बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए स्कूल तो भेज रहे हैं, लेकिन उन्हें यह पता नहीं की उनके बच्चे स्कूल में हैं या जंगल में हैं। राजधानी की अगर बात की जाए तो यहां पर पुलिस ने 12 दिन के अंदर 100 बच्चों को जंगलों में पकड़ा है। शिमला पुलिस ने कुछ जगहों की पहचान की है, जहां पर ये बच्चे अक्सर देखे जा रहे हैं। शहर के जाखू मंदिर, संजौली के समीट्रि, ढींगू मंदिर, नबवहार के कब्रिस्तान, इंडस अस्पताल के आसपास, जाखू फाइव बैंच, जाखू में शीशे वाली कोठी व अनाडेल के समीप ग्लैन में बच्चे काफी संख्या में पहुंच रहे हैं। ये वे जगह हैं जहां आमतौर पर लोग नहीं जाते हैं। ऐसे में बच्चों ने इन जगहों को चुन रखा है। कई बच्चे तो जंगलों में नशे का सेवन भी करते हैं।

जगहों की निगरानी के लिए पुलिस ने बनाई दो टीमें

जिन-जिन क्षेत्रों में बच्चे जाते हैं उन जगहों की निगरानी के लिए दो टीमें बना रखी हैं। इन इलाकों में सरप्राइज चैकिंग कर रही है। इस दौरान बच्चों से पूछताछ कर इन बच्चों को भी समझाया जा रहा है कि वे इन जगहों पर बिल्कुल भी न जाएं।

अभिभावक भी रखे बच्चों का ध्यान

पुलिस द्वारा बच्चों के अभिभावकों को जागरूक किया जा रहा है कि वे अपने बच्चे का ध्यान रखें। जब बच्चा स्कूल से वापिस आता है तो उसे चैक किया जाए कि वह नशे का सेवन करके तो नहीं आया है।

“ हमें सूचना मिली थी की कुछ बच्चे स्कूल न जाकर जंगलों की ओर जाते हैं। पुलिस ने कुछ ऐसे बच्चों को पकड़ा है। बच्चों को समझाया जा रहा है कि वे इन जगहों पर न आएं। अभिभावकों से भी बात कर यह सुनिश्चित करने को कहा गया है। पुलिस का मकसद बच्चों को सुरक्षित रखना है। पुलिस बच्चों पर नजर रख रही है, ताकि बच्चे जंगलों में न जाकर नशे आदि से बचें और नशे के आदी न बनें।

-ओमापति जम्वाल, एस.पी. शिमला।